

Neogi, Sutapa Bandyopadhyay. **Gender before Birth in India: Role of Indigenous and Traditional Medicines.** Springer, Singapore; 2021: 147p.

This book focuses on the role of the indigenous system of medicine or traditional medicines in gender selection in India. Issues such as the harmful effects of traditional practices on the health of the woman and the foetus during early pregnancy are explored in this book. It analyses the social and cultural practices and establishes linkages with modern methods of scientific investigations. It discusses how systematic exploration lends evidence of harmful traditional practices.

UNESCO. **Education in prison: a literature review.** Hamburg, UNESCO, 2021: 110p.

This publication focuses on some of the unique characteristics and challenges concerning the provision of education in prison, including: the appearance of an informal curriculum; language tuition in prison; access to higher education; the availability of library facilities; digital literacy; civic engagement and social (re)integration; and prison programmes for education. It also analyses commitments made through international and regional declarations and agreements. It examines penal policies, strategies and pedagogical approaches established in jurisdictions around the world.

UNICEF. **The State of the World's Children 2021: On My Mind: Promoting, protecting and caring for children's mental health.** New York, UNICEF; 2021: 262p.

The COVID-19 pandemic has raised huge concerns for the mental health of an entire generation of children. But the pandemic may represent only the tip of a mental health iceberg – an iceberg which has ignored for far too long. The State of the World's Children examines the mental health of children and adolescents. Against a backdrop of rising awareness of mental health issues, there is now a unique opportunity to promote good mental health for every child, protect vulnerable children and care for children facing the greatest challenges.

ASER. **Did Technology Enable Inclusive Education in Rural India in a Year of Lockdown?** ASER Evidence for Action; 2021: 99p.

This report uses the ASER 2020 survey data to explore the following areas:

- Children's enrollment: Explores patterns of enrollment and dropout among 6-16 year olds in rural India.
- Children not currently enrolled: Examines which children

R.N.I. No. 53577 /1991  
Postal Regn. No. DL(C)01/1160/2019-2021  
Published on December 31, 2021

are currently not enrolled in school and the reasons behind this.

- Household resources: Explores whether households have key resources that can help support children's education. These include parents' own education levels; access to technology such as TV and smartphones; and availability of textbooks.

- Learning support at home: Examines whether and how households support children during school closures. This includes support from family members as well as other support such as paid private tuition.

- Access to and availability of learning materials: Reports whether families received learning materials or activities from schools, and the mediums through which they accessed these.

- Children's engagement with learning materials and activities: Analyses the extent to which children actually engaged with different kinds of materials and activities received from any source; as well as the nature of contact between families and schools during the lockdown.

- School survey: Explores teachers' preparation for and implementation of remote teaching-learning activities with their students, and whether they received any help from the community to support children's learning during school closures.

UNESCO. **Global education monitoring report summary, 2021/2: non-state actors in education: who chooses? who loses?** France, UNESCO; 2021: 474p.

Non-state actors' role extends beyond provision of schooling to interventions at various education levels and influence spheres. Alongside its review of progress towards SDG 4, including emerging evidence on the COVID-19 pandemic's impact, the 2021/2 Global Education Monitoring Report urges governments to see all institutions, students and teachers as part of a single system. Standards, information, incentives and accountability should help governments protect, respect and fulfil the right to education of all, without turning their eyes away from privilege or exploitation. Publicly funded education does not have to be publicly provided but disparity in education processes, student outcomes and teacher working conditions must be addressed. Efficiency and innovation, rather than being commercial secrets, should be diffused and practised by all. To that end, transparency and integrity in the public education policy process need to be maintained to block vested interests.

Compiled by Neha Gupta  
Librarian-cum-Documents Officer

# IAEA NEWSLETTER

Vol. 30 No. 4 Re. 1 per copy October-December 2021 Total Pages 12



## Indian Adult Education Association

### नेहरु एवं टैगोर साक्षरता पुरस्कारों का वितरण



भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ, नई दिल्ली द्वारा देश में साक्षरता की दिशा में उल्लेखनीय योगदानों के लिए प्रतिवर्ष नेहरु एवं टैगोर साक्षरता पुरस्कार प्रदान किये जाते हैं। सन् 1968 में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरु की स्मृति में प्रारंभ नेहरु साक्षरता पुरस्कार किसी व्यक्ति या संस्था को साक्षरता के क्षेत्र में अनुकरणीय योगदान के लिए प्रदान किया जाता है। वहीं सन् 1987 में गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर की स्मृति में प्रारंभ टैगोर साक्षरता पुरस्कार महिला साक्षरता एवं सशक्तिकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए किसी व्यक्ति या संस्था को प्रदान किया जाता है। वर्ष 2019 एवं 2020 के नेहरु साक्षरता पुरस्कार क्रमशः प्रोफेसर पी. आदिनारायण रेड्डी एवं प्रोफेसर एम.सी. रेड्डप्पा रेड्डी को तथा टैगोर साक्षरता पुरस्कार क्रमशः प्रोफेसर अनीता दिघे एवं श्रीमती निशात फारुख को प्रदान किये गये। प्रोफेसर पी. आदिनारायण रेड्डी एवं प्रोफेसर एम.सी. रेड्डप्पा रेड्डी दोनों ही श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय, तिरुपति के प्रौढ़ एवं आजीवन शिक्षा विभाग के पूर्व निदेशक रहे हैं। वहीं प्रोफेसर अनिता दिघे कैम्पस ऑफ ओपन लर्निंग, दिल्ली विश्वविद्यालय की पूर्व

निदेशक रहीं हैं तथा श्रीमती निशात फारुख राज्य संसाधन केन्द्र, जामिया मिलिया इस्लामिया की पूर्व निदेशक रहीं हैं। इन चारों ही पुरस्कृत व्यक्तियों का शिक्षा एवं साक्षरता के क्षेत्र में विशद योगदान रहा है।

ये सम्मान दिनांक 19 दिसंबर 2021 को सरदार वल्लभभाई पटेल सभागार, उपराष्ट्रपति निवास, नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में मुख्य अतिथि भारत के उपराष्ट्रपति महामहिम श्री वेंकया नायडू के कर कमलों द्वारा प्रदान किये गये। समारोह में उपराष्ट्रपति के सचिव श्री आई. वी. सुबाराव, भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ के अध्यक्ष प्रोफेसर एल. राजा, महासचिव श्री सुरेश खण्डेलवाल, मुख्य परामर्शदाता श्री कैलाश चौधरी, पूर्व निदेशक

डॉ. वी. मोहनकुमार एवं प्रभारी निदेशक श्रीमती कल्पना कौशिक सहित प्रौढ़ शिक्षा जगत के गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

समारोह के प्रारंभ में भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ के अध्यक्ष प्रोफेसर एल. राजा, महासचिव श्री सुरेश खण्डेलवाल तथा मुख्य परामर्शदाता श्री कैलाश चौधरी द्वारा शॉल से महामहिम उपराष्ट्रपति तथा सभी पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं का



Printed, Published & Edited by Suresh Khandelwal on behalf of Indian Adult Education Association, 17-B, Indraprastha Estate, New Delhi - 110 002 and Printed at M/s. Prabhat Publicity, 2622, Kucha Chelan, Darya Ganj, New Delhi - 110 002. [Tel: 011-23379306 / 23378206 / 23379282 / 23378436 / 43489048]  
E-mail: iaeadelhi@gmail.com, Website: iaea-india.in

Editor: Suresh Khandelwal



कि यह चिंताजनक है कि तमाम प्रयासों के बावजूद देश की लगभग 25 प्रतिशत आबादी आज भी असाक्षर है। हम निकट भविष्य में शत-प्रतिशत साक्षरता के लक्ष्य को प्राप्त कर सकें इसके लिए साक्षरता अभियान को एक जन आन्दोलन बनाने की आवश्यकता है। कॉरपोरेट सोशल रिसपॉसिबिलिटी (सी.एस.आर) की भांति उन्होंने पी.एस.आर अर्थात् पर्सनल सोशल रिसपॉसिबिलिटी पर बल देते हुए कहा कि देश के हर साक्षर व्यक्ति को अपने आस-पड़ोस के एक असाक्षर व्यक्ति को साक्षर बनाने की व्यक्तिगत चुनौती स्वीकार करनी होगी। उन्हें मौलिक साक्षरता के साथ डिजिटल एवं आर्थिक



स्वागत किया गया। राष्ट्रगान के उपरांत प्रोफेसर राजा ने स्वागत भाषण प्रदान करते हुए विगत 82 वर्षों में भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ की उपलब्धियों, नेहरू एवं टैगोर साक्षरता पुरस्कार के इतिहास एवं वर्तमान संदर्भों में इसकी महत्ता को रेखांकित करते हुए यह आशा व्यक्त की कि इस सम्मान समारोह में महामहिम उपराष्ट्रपति की गरिमामय उपस्थिति प्रौढ़ एवं आजीवन शिक्षा जगत में एक नवीन उर्जा एवं प्रतिबद्धता का संचार करेगी।

तत्पश्चात डॉ. वी. मोहनकुमार तथा श्रीमती कल्पना कौशिक द्वारा पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं के प्रशस्ति पत्रों का वाचन किया गया। महामहिम उपराष्ट्रपति श्री वैक्या नायडू ने एक-एक कर प्रोफेसर पी. आदिनारायण रेड्डी, प्रोफेसर एम.सी. रेड्डी, प्रोफेसर अनीता दिघे (की तरफ से डॉ. अनीता प्रियदर्शिनी) एवं श्रीमती निशात फारूख को प्रशस्ति पत्र, प्लाक एवं सम्मान राशि प्रदान कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति महोदय ने कहा

## साक्षरता दिवस पर गुजरात राज्य प्रौढ़ शिक्षण परिषद द्वारा कार्यक्रम का आयोजन

विश्व साक्षरता दिवस के उपलक्ष्य में गुजरात राज्य प्रौढ़ शिक्षण परिषद द्वारा राजकोट के जुबिली बाग में स्थित महात्मा गांधीजी की प्रतिमा के पास एक उत्साहवर्धक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता राजकोट शहर के युवा मेयर श्री प्रदिपभाई डव ने की। मुख्य अतिथि के रूप में सौराष्ट्र युनिवर्सिटी के वरिष्ठ सिन्डीकेट सदस्य डॉ. कलाधर आर्य और डॉ. भरतभाई रामानुज उपस्थित रहे थे। इस अवसर पर वक्ताओं ने शत-प्रतिशत साक्षरता, आत्मनिर्भरता के लिए कौशल प्रशिक्षण, डिजिटल साक्षरता एवं स्वावलंबी

भारत जैसे विषयों पर अपने विचार व्यक्त किये ताकि स्थानीय लोगों को सार्वभौमिक साक्षरता के लिए प्रेरित किया जा सके। कार्यक्रम का संचालन संस्था के उपप्रमुख प्रो. जे. एम.पनारा ने किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में संयुक्त महामंत्री श्री एल.एस.सैयद ने सभी का स्वागत किया, जबकि संस्था के खजांची श्री राजेशभाई गोंडलिया ने आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में कुण्डलिय कोलेज के प्रिन्सिपल श्री यज्ञेश जोशी, कणसागरा महिला कोलेज-राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी प्राध्यापक डॉ. यशवंत गोस्वामी, हरिवंदना

बी.एड. कोलेज की प्रिन्सिपल सुश्री दक्षाबहन, नगर शिक्षण समिति के सदस्य श्री रविन्द्र गोहिल, पूर्व डेप्युटी मेयर सुश्री जशुमतीबहन वसाणी, सुश्री मधुरिकाबहन जाडेजा, श्री हिमंतभाई लाबडिया, श्री महेशभाई महेता, श्री रसिकभाई सोलंकी, श्री रसिकभाई निमावत, श्री सी.एल. रैयाणी, श्री अतुल जोशी, श्री हसमुख सोलंकी, श्री हसमुख चौहाण तथा श्री स्नेहल मावाणी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

— यशवंत जनाणी  
चेयरमैन

## Conferment of 5th Annual Martha Farrell Award



The Martha Farrell Foundation (MFF), The Martha Farrell Memorial Fellowship and Martha Farrell Award for Excellence in Women's Empowerment have been set up to carry forward her pioneering work on gender mainstreaming and adult education, with the overall goal of achieving gender equality in India and around the world. Martha Farrell was a passionate civil society leader, her work on women's rights, gender equality and adult education. She was among 14 people killed in a terrorist attack on a guest house in Kabul, Afghanistan on 13 May 2015.

She had been leading a gender training workshop with the Aga Khan Foundation in Kabul at the time of the attack. Martha Farrell Foundation and Participatory Research in Asia (PRIA) with support from Rural Development Trust (RDT) felicitated the winners of the 5th Annual Martha Farrell Award over a ceremony on November 20th, 2021 at India Islamic Centre, New Delhi. Winners are:  
**Sappho for Equality - Institutional category (Jury's Selection)**  
For breaking the shackles of patriarchy and heteronormativity, and

providing a safe space for so many. Shaheen Women's Resource and Welfare Association, Hyderabad - Best Organisation for Gender Equality  
It was established in 2002, committed to the cause of women's rights and communal harmony.  
**Suman Devathiya - Most Promising Individual (Jury's Selection)**  
She is senior Dalit woman leader in India working with and for Dalit women for more than 15 years, taking forward the many struggles for equal opportunity and a more equal tomorrow  
**Deepa Pawar - Most promising Individual category**  
Founder - Director of Anubhuti Charitable Trust, she works for intersectional gender justice, caste and mental health at the grassroots level including one of the only Nomadic and De-notified Tribe.  
Smt. Kamla Bhasin, an indomitable poet and an Indian developmental feminist, activist, author and social scientist was also remembered at the ceremony. She was a jury member for the first three years of the Martha Farrell Awards and was a huge part of the Award's genesis. She died on September 25, 2021.

# Seminar on Religion, Peace and Human Rights



A day long Seminar on Religion, Peace and Human Rights was jointly organised by Islamic Information-cum-Inter Religious Dialogue Centre and All India Bhikkhu Sangh, Bodh Gaya with academic support of Bihar Chapter of Indian Adult Education Association, New Delhi on December 10, 2021 to commemorate the anniversary of UN Human Rights Declaration. The seminar was participated by senior academicians from Magadh University, religious leaders and social workers from different walks of life. Delivering the welcome address Shri A. H. Khan, Secretary, Inter-Faith Forum and Associate Secretary, IAEA briefly introduced the charters of UN which was passed in its General Assembly on 20th Dec. 1948. He emphasized that each individual has a role to play to create awareness about protecting human rights.

The introductory speech was followed by the opinions and views from guests of honour and other scholars including Venurable Rahul Bhante Bhikkhu incharge Mahabodhi Society of India (Sri Lankan Monestry), Bhikkhu Incharge Bangladesh Monestry, Prof. B.R.Yadav Magadh University, Sister Shobha (Christian Missionaries), Sanjay Chandervanishi (RSS representatives), Tamimuddin Humble (Jamaet Islami) representatives, Qari Shabuddin WORK representative, Senior Journalist Mr Faizul Haque and Syed Sabir Raza (Muslim Community).

The seminar was presided over by Ven. Pregya Deep, Secretary, International Buddhist Council and All India Bhikkhu Sangha, BodhGaya who requested to propagate the teachings, preachings and practices of Buddha to attain peace in the society.

– A. H. Khan

## Contribution of IAEA got appreciated

A Symposium for the Well Being of Senior Citizens was organized by the Department of Social Welfare, Govt. of NCT of Delhi on October 1, 2021 at the Main Auditorium, Delhi Secretariat to commemorate the International Day of Older Persons which was participated by the officials of concerned departments, representatives of various senior citizens organizations and leading personalities who have contributed considerably for the welfare of senior citizens in the state. Indian Adult Education Association was represented by Shri B. Sanjay, Research Officer. On the occasion the Chief Guest Shri Rajendra Pal Gautam, Minister, Social Welfare, GNCTD honoured the valuable contribution made by some of the organizations working in this field. The Minister found the findings of the evaluation study conducted by the Association on Senior Citizen Recreation Centers in Delhi in 2020 illuminating and quite meaningful for strengthening the scheme further. In a gesture to appreciate the outcomes of the evaluation study and quality work done by IAEA the Chief Guest offered a bouquet to Shri Sanjay who led the study. It may be noted here that a number of recommendations of the report have been identified by the government for implementation including enhancement in the overall budgetary allocation given to each Senior Citizen Recreation Centre functioning in the state.

### Best Regional Centre Award for 2021



Out of a total 67 Regional Centres functioning across the country the Regional Centre Delhi 2 of IGNOU was conferred the Best Regional Centre Award consecutively for the third time in a function organised to commemorate the 36th Foundation Day of the University. It is a matter of pride that the International Institute of Adult and Lifelong Education (IIALE) IGNOU Study Centre (29049P) is a part of the same and also a prominent stakeholder of this success story.



साक्षरता भी प्रदान करनी होगी ताकि वे वर्तमान दौर में सम्मान की जिंदगी जी सकें। यह सुनिश्चित करना होगा कि 'इच वन टीच वन' महज एक नारा बनकर ना रह जाय। नई शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों का उल्लेख करते हुए उन्होंने सरकार की प्रतिबद्धता के साथ-साथ जन-भागीदारी एवं व्यापार तथा शैक्षिक संस्थानों से भी सक्रिय सहयोग करने का आह्वान किया। महामहिम ने सभी पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं का अभिनंदन करते हुए कहा कि भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ द्वारा प्रदत्त नेहरू एवं टैगोर साक्षरता पुरस्कार पूर्व की भांति भावी पीढ़ी को भी

शिक्षा एवं साक्षरता के क्षेत्र में बहुमूल्य योगदान के लिए प्रोत्साहित करते रहेंगे। उन्होंने भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ द्वारा शिक्षा एवं साक्षरता की दिशा में किये जा रहे अनवरत् प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि अन्य स्वयंसेवी प्रयासों के लिए यह दृष्टांत स्वरूप है।



समारोह के अंत में आभार व्यक्त करते हुए भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ के महासचिव श्री सुरेश खण्डेलवाल ने सर्वप्रथम मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति महोदय का हार्दिक धन्यवाद किया और आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी उनका आशीर्वाद इसी प्रकार प्राप्त होता रहेगा। इस अवसर पर उन्होंने उपराष्ट्रपति के सचिव श्री आई. वी. सुबाराव, भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ के अध्यक्ष प्रोफेसर एल. राजा, मुख्य परामर्शदाता श्री कैलाश चौधरी, पूर्व निदेशक डॉ. वी. मोहनकुमार, सभी पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं, उपस्थित गणमान्य अतिथियों, कार्यकारिणी सदस्यों, उपराष्ट्रपति सचिवालय के कर्मचारियों एवं पत्रकारों सहित भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ के कार्यकर्ताओं का भी हृदय से धन्यवाद किया।

समूचे समारोह का संचालन भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ के पूर्व निदेशक एवं वर्तमान में जेएसएस एकेडमी ऑफ टेक्निकल एजुकेशन, नोयडा के समन्वयक डॉ. वी. मोहनकुमार द्वारा किया गया।

## Call for the IIALE Research Mentorship Programme

The International Institute for Adult & Lifelong Education (IIALE) has planned to launch a programme called "IIALE Research Mentorship Programme" which aspires to connect resource persons and learners in the field. This will be a new research initiative aimed at raising the standard of research through collective efforts. As part of the programme IIALE will provide a platform over which learners can send queries regarding their research work through emails which will be replied by registered mentors.

In view of developing a team of experts willing to contribute in this initiative the IIALE invites academicians to

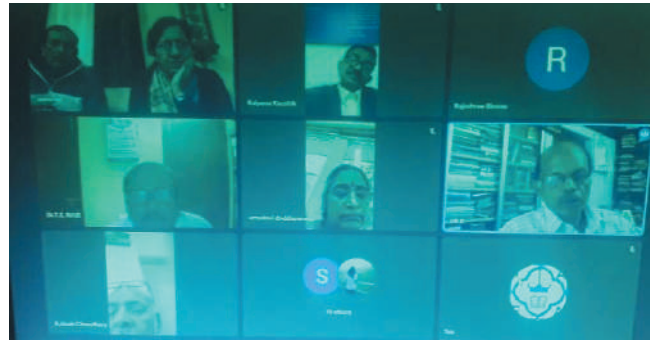
register themselves as mentors through the following link:

<https://forms.gle/TkJbocN4NtZoCzm99>

The queries will be collected through email and will be disseminated to the relevant mentors through their preferred mode of communication. It is a voluntary act and no one will be bound to reply even if they have registered themselves as a mentor. However, it will help the institution to build a robust and rewarding research environment in the field.

Dr. Shalini Singh, Senior Research Fellow will manage the programme for the IIALE. She may be contacted for further details at her email: [contactingshalinisingh@gmail.com](mailto:contactingshalinisingh@gmail.com).

## Meetings of IAEA



of the previous meeting held on July 17, 2021 at the headquarters of IAEA. Apart from this, EC appreciated and approved the report of programmes and activities conducted during the period July 2021 to December 2021 and awarded Life Membership to 12 individuals. The EC also expressed heartfelt condolence on the demise of Shri V. Balasubramanian, Executive Committee Member and Shri Shyam Sunder Nandwana, former Council Member of IAEA. The EC observed silence for the peace of both the departed souls.

EC meeting was followed by the **Council** meeting which was attended by 40 members. The meeting formally began with the welcome address by Shri Suresh Khandelwal, General Secretary. Presided over by the President, the Council confirmed the minutes of its meeting held on December 15, 2020 and approved the Plan of Action for the year 2022-23.

The **General Body** meeting of IAEA held on December 18, 2021 in virtual mode. The meeting was presided over by Prof. L. Raja, President and attended by 79 members. The GB confirmed the minutes of its previous meeting held on December 15, 2020, adopted the Annual Report of the Association for the year 2020 and Audited Statement of Accounts for the financial year 2020-21.

The **Executive Committee** of the Indian Adult Education Association met on December 18, 2021 in virtual mode which was presided over by Dr. L. Raja, President and attended by 19 members including Shri K.C.Choudhary, former President and Shri Suresh Khadelwal, General Secretary. Prof. Asoke Bhattacharya, Dr. Devendra Kumar Verma and Dr. Saroj Garg could not attend the meeting and hence granted leave of absence. The meeting was facilitated by Smt. Kalpana Kaushik, In-charge Director, IAEA.

The meeting formally began with a brief introductory address by the President and welcome address by the General Secretary. Thereafter, the EC confirmed the minutes

## व्यावसायिक पाठ्यक्रम हेतु प्रायोगिक परीक्षा आयोजित



भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ, नई दिल्ली राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, भारत सरकार द्वारा संचालित व्यावसायिक पाठ्यक्रम 'पुस्तकालय विज्ञान में प्रमाण पत्र कोर्स' का एक अध्ययन केन्द्र है जहां से अब तक 19 बैचों के

छात्र सफलतापूर्वक उत्तीर्ण हो चुके हैं। इसके 20वें बैच के नामांकित 3 विद्यार्थियों के लिए गत 16 दिसम्बर 2021 को भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ, नई दिल्ली के कार्यालय में प्रायोगिक परीक्षा आयोजित की गई। यह परीक्षा श्री मुरारीलाल शर्मा और श्री जय भगवान द्वारा ली गई जिसकी आर्वार्ड सीट और उपस्थिति की मूल प्रति उसी दिन राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, नोएडा में जमा करा दी गई।

— **जय भगवान**  
Co-ordinator  
AVI No 990108



## Legal Awareness Programme on Gender Equality



The Department of Lifelong Learning and Extension, GRI, Gandhigram under the guidance of Prof. L. Raja organized two programmes consecutively on November 16 and 17, 2021 at B.Voc in order to create legal awareness about the rights and duties of any Indian Citizen amongst the students pursuing different courses. The first programme precisely focused on making them aware about various legal instruments and programmes initiated by centre and state governments to address the issues related with gender equality while the other one was for creating general level of awareness about rights and duties of any citizen. Ms. Shara Christopher, Legal Advisor, Centre for Women's Studies, GRI and Advocate, Madurai High Court; Dr. M. Eswari, Research Associate, Centre for Women's Studies, GRI and

Shri Sivabalan, Advocate, Dindigul District, Dindigul delivered special lectures on different dimensions of gender equality and addressed the queries of the students in details. The major focus was on creating a congenial atmosphere throughout the society specifically at the work place so that the right of every individual is well protected. All the speakers were of the opinion that people should work together to achieve a Zero FIR situation in the society.

The sessions and respective speakers were introduced respectively by Dr. S. Ramesh and Dr.Gnanasaranya, Guest Faculty, Department of Lifelong Learning and Extension, GRI. Entire programme was coordinated by Dr.R.Venkata Ravi, Associate Professor, Department of LLL&E and Dr. M. Sankaramurthy, Coordinator, B.Voc, GRI.

## Books Released by the VC Alagappa University



Two books, one in English entitled "Reflections in Education" and other in Tamil entitled "Education for All" written by Dr. R. Rajan, former Professor, Department of Lifelong

Learning, Alagappa University, Karaikudi and former Director, State Resource Centre for Adult and Continuing Education, Chennai, Tamil Nadu was released by Prof. (Dr.) N.

Panchanatham, Vice chancellor, Alagappa University on December 23, 2021 in a book release function organized at the university. Others eminent academicians present on the occasion included Dr. M. Govindan, Controller of Examination and Dr. M. Soundararajan, Registrar, Tamil Nadu Teachers Education University, Prof. V. P. Mathewaran, Head, Department of Adult and Continuing Education, University of Madras, Prof. Kapali and Dr.A. Muthumanickam, former Registrar, Madurai Kamaraj University, Madurai, Tamil Nadu. Apart from this the function was also attended by nearly 150 scholars including faculty members, research scholars and students pursuing PG courses. Dr. R. Rajan is also the Life Member of IAEA.

## Smt Krishnammal Jagannathan received Padma Bhushan



Smt Krishnammal Jagannathan, a nonagenarian social activist from Tamil Nadu, profoundly called Amma was bestowed with prestigious Padma Bhushan award by the President of India Shri Ram Nath Kovind on November 8, 2021 in a Decoration Ceremony at Rashtrapati Bhawan for her prolific work in the field of social development and empowerment of

through propagating the philosophy of non-violence. Born in a Devendrakulam family in 1926 she also participated in the freedom movement particularly in the Non-Cooperation Movement, Civil Disobedience and Quit India Movement, worked for land redistribution through Vinoba Bhave's Gramdan movement using Satyagraha and shared the stage with Mahatma Gandhi at a very young age. As a founder of Land for the Tillers' Freedom (LAFTI) in 1981 she has been instrumental in transferring nearly 13,000 acres of land to about 13,000 families.

It is noteworthy that Smt Krishnammal Jagannathan was also honoured by the Indian Adult Education Association in the 61st All India Adult Education Conference held on December 28-30, 2015 at Gandhigram Rural Institute (Deemed to be University), Dindigul, Tamil Nadu where she shared a volume of inspiring memories with the delegates.

landless poor people. a nonagenarian, travels to remote rural areas bringing social, economic and political transformation through propagating the philosophy of non-violence. Hailing



from the state of Tamil Nadu, Krishnammal Jagannathan, Amma, is a social worker who travels to remote rural areas bringing social, economic and political transformation

## Google's Doodle for a Hero of Female Literacy

Fathima Sheik, a colleague of eminent social reformers Jyotirao & Savitribai Phule has been honoured by Google by featuring a doodle for her on her 191st Birth Anniversary. Fathima is considered as the first muslim woman educator of India who started 'Beti Padhao' movement in early 1840s. She worked for the upliftment of girls from poor & marginalized communities including Dalits & Muslims and gave away her home to Jyotirao & Savitribai Phule to establish the first ever school for girls in India way back in 1848.

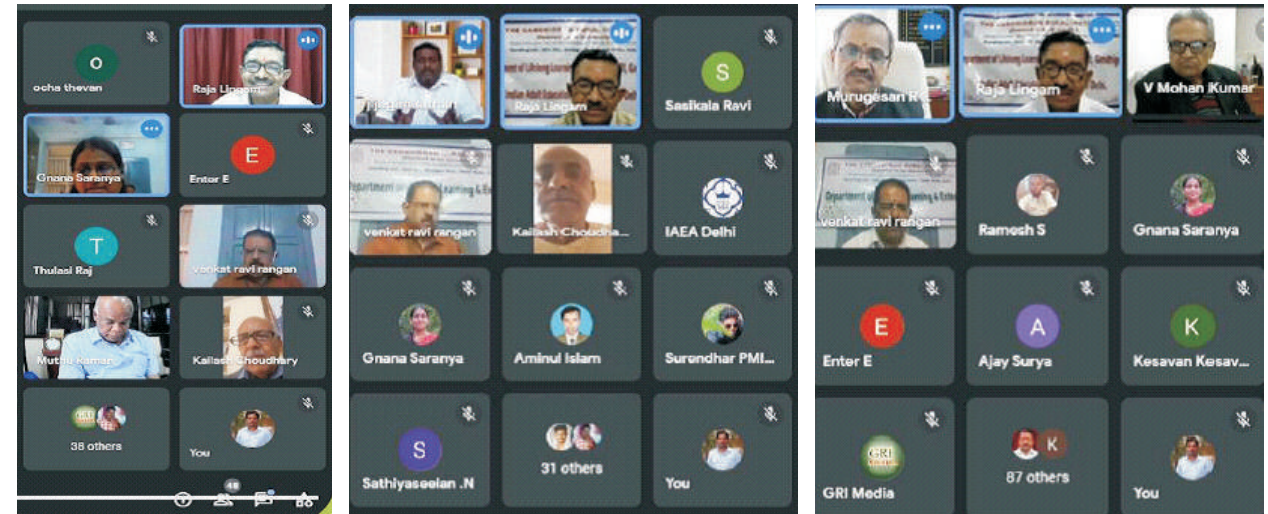


## Prof V.Reghu Nominated as National Vice-President of AIAER

Prof V.Reghu, Executive Member of Indian Adult Education Association has been nominated as the National Vice President of All India Association for Educational Research (AIAER) with his Headquarters at Bhubaneswar. AIAER is well known for its working in the wider field of Educational Research in India, in collaboration with similar international organizations.



## Special Lecture Series on Role of HEIs in Extension and Community Outreach Programmes



The Department of Lifelong Learning and Extension, Gandhigram Rural Institute (Deemed to be University), Gandhigram in collaboration with the Indian Adult Education Association, New Delhi jointly organized a three days Special Lecture Series in virtual mode from December 8-10, 2021 which was attended by a large number of scholars from across the country along with the Members of Faculty, GRI.

The programme was formally inaugurated by Prof. T. T. Ranganathan, Vice-Chancellor In-Charge, GRI on December 8, 2021. Delivering the Presidential Address Dr. Ranganathan highlighted the need for community engagement and extension for the benefit of mutual learning. He opined that all the Higher Education Institutions (HEIs) owes social responsibility towards the people living around them and hence, they should come forward to serve community in whatever ways it is possible.

The welcome address was delivered by Prof.L.Raja, Professor and Head, Department of Lifelong Learning and Extension, GRI and President, IAEA, New Delhi. Treating extension and community engagement as a significant component of Lifelong Learning Dr. Raja said that these instruments need to be used to transform the life of people. Speaking on the occasion Shri K. C. Choudhary, Chief Adviser, Indian Adult Education Association, New Delhi

highlighted the need to explore innovative ways so that research findings can be utilized for the benefit of the common man. Smt. Kalpana Kaushik, In-charge Director, Indian Adult Education Association, New Delhi delivered Presidential Address in the session covering "Youth for Rural Reconstruction: Role of University in Community Engagement". She highlighted the need to create educational infrastructure by HEIs for providing adequate skill opportunities to the rural youth.

Apart from Presidential and Welcome address a number of special lectures were delivered during these three days by invited academicians to cover the prime theme "Role of Higher Education Institutions in Extension and Community Outreach Programmes" which are as follows:

1. "Strategies to face Rural and Agricultural Extension" by Prof. P. Muthuraman, Principal Scientist and Head, Training and Technology Transfer, ICAR, Indian Institute of Rice Research, Rajendranagar, Hyderabad.
2. "Youth for Rural Reconstruction: Role of University in Community Engagement" by Dr.J.Jeganaathan, Sr. Assistant Professor, Department of National Security, Central University of Jammu, J&K.

3. "Need for Skill Development and Empowering the Youth" by Prof. L. Raja, Professor and Head, Department of Lifelong Learning and Extension, GRI and President, IAEA, New Delhi.

4. "University for Corporate Partnership towards Sustainable Development" by Dr. V. Mohankumar,

Coordinator, J.S.S. Academy of Technical Education, Noida and former Director, Directorate of Adult Education, Government of India, New Delhi and Dr. R. Murugesan, Director, North Eastern Regional Centre, National Institute of Rural Development & Panchayati Raj, Ministry of Rural Development, Guwahati.

Entire programme was coordinated by Prof. L.Raja and Smt. Kalpana Kaushik along with Dr. R. Venkata Ravi, Dr. S. Ramesh and Dr. S. Gnanasaranya from Department of Lifelong Learning and Extension, GRI. Dr. R. Venkata Ravi, Associate Professor, GRI and Programme Coordinator proposed the Vote of thanks.

"Education is not the learning of facts, but the training of the mind to think"

— Albert Einstein

## महू में 41वें बाल महोत्सव का भव्य आयोजन



प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी महू में बाल महोत्सव समिति के तत्वाधान में बाल महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। 41वें बाल महोत्सव का



उद्घाटन समारोह 14 नवंबर 2021 को स्थानीय नेहरू स्टेडियम, महू में आयोजित हुआ जिसमें भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ के मुख्य परामर्शदाता श्री कैलाश चौधरी एवं महासचिव श्री सुरेश खण्डेलवाल सहित नगर के गणमान्य लोगों ने भाग लिया। समारोह का उद्घाटन श्री चौधरी द्वारा पं. नेहरू की प्रतिमा पर माल्यापण कर किया



गया। इस अवसर पर बच्चों के लिए प्राथमिक स्तर की एकल नृत्य स्पर्धा ऑनलाइन अयोजित की गई जिसमें 17 विद्यालयों के छोटे-छोटे



बच्चों ने नृत्यकला का प्रदर्शन कर दर्शकों का मन मोह लिया। प्रतियोगिता में प्रस्तुतियों का मूल्यांकन श्रीमती वंदना जायसवाल एवं श्रीमती रूपल मेठी

द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह का संचालन श्री राजेश पाटीदार ने किया।

इस महोत्सव का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह दिनांक 24 नवंबर 2021 को श्री जय गोविन्द गोपीनाथ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के सुसज्जित ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। श्री विद्या सागर स्कूल, इन्दौर के प्राचार्य श्री दिनेश शर्मा की अध्यक्षता में समपन्न इस समारोह में कार्यक्रम के मुख्य आतिथि महू छावनी परिषद के अधिशासी अधिकारी श्री राजेन्द्र जगताप, उप-अधिशासी अधिकारी श्रीमती माधवी भार्गव, सचिव शिक्षा समिति श्री अशोक मेवाड़ा,



विद्यालय के प्राचार्य श्री जयसिंह पंवार तथा आयोजन समिति के अध्यक्ष श्री सुरेश खण्डेवाल भी पदासीन थे।

इस अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री जगताप ने देश के मौलिक विकास में पं. जवाहरलाल नेहरू के योगदानों का स्मरण दिलाया जिसके रास्ते चल हम आज आजादी का अमृत महोत्सव मना पा रहे हैं। वर्ष 1981 से लगातार आयोजित हो रहे इस महोत्सव के अनुभवों को याद करते हुए प्राचार्य श्री दिनेश शर्मा ने कहा कि यह बाल महोत्सव बच्चों को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर प्रदान करता है जिससे कि वे अपनी प्रतिभा का बहुमुखी विकास करते हुए अपने व्यक्तित्व का विकास कर सकें।

बाल महोत्सव की पृष्ठभूमि की जानकारी देते हुए भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ के संयुक्त सचिव श्री मृणाल पंत ने कहा कि पं. जवाहरलाल नेहरू से प्रेरणा लेकर बाल महोत्सव समिति ने बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न विधाओं की प्रतियोगिताएं प्रारंभ कर महू के प्रतिभागियों को मंच प्रदान किया है। इन प्रतियोगिताओं से

निखरी प्रतिभाओं ने भारत में ही नहीं वरन् विश्व में भी महू का नाम रोशन किया है।

समारोह में बाल महोत्सव के अंतर्गत आयोजित उच्चतर, माध्यमिक और

प्राथमिक स्तर की 12 प्रतियोगिताओं में 13 विद्यालयों के 36 विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पुरस्कार श्री जय गोविन्द गोपीनाथ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ने प्राप्त किया। इस अवसर पर महू की प्रतिभावान रंगोली कलाकार सुश्री प्राची शर्मा का अतिथियों द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया गया। विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती बनीता खरे एवं छात्रों द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया।

समिति की ओर से अतिथियों का पुष्प गुच्छ द्वारा स्वागत श्री विमल चंद जैन एवं श्री जय गोविन्द गोपीनाथ विद्यालय की ओर से श्री जय सिंह पंवार, श्रीमती स्मिता तलेगावंकर एवं श्री पुनीता श्रीवास ने किया। पुरस्कार संबंधित जानकारी श्रीमती आरती यादव ने दी। अतिथि परिचय एवं कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती वंदना दुबे ने किया तथा आभार प्रदान अध्यक्ष

श्री सुरेश खण्डेलवाल ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुश्री ऋतु त्रिवेदी, श्री कमलेश मिश्रा, श्री मनीश गुप्ता, श्री राजेश पाटीदार, श्री सदाशिव दुबे, सुश्री पूर्णिमा सेठ, श्रीमती पूर्णिमा अवस्थी, श्री दिनेश जादम तथा श्री अजय यादव का सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ। इस अवसर पर महू नगर के गणमान्य नागरिक श्री कैलाश चौधरी, श्री सतीश अग्रवाल, श्रीमती निर्मला यादव, श्रीमती करुणा लोहरिया, श्री विजय कुमार विजयवर्गीय, श्री रामलाल प्रजापति, श्री रवि शंकर दुबे, श्री गोविन्द शर्मा, श्री दिनेश दुबे, श्री अशोक पंवार, श्री सुनील मित्तल, श्री पवन तिवारी एवं विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं पुरस्कृत विद्यार्थियों के अभिभावकगण भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सामूहिक राष्ट्रगान के साथ हुआ।

## वंचित वर्ग के विद्यार्थियों की मदद हेतु कार्यक्रम



वंचित वर्ग के विद्यार्थियों की मदद हेतु जिला प्रौढ़ शिक्षण समिति, कोटा द्वारा दिनांक 7 दिसंबर 2021 को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बोराबास में सामान्य समारोह का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि श्री आर.पी.गुप्ता, अध्यक्ष,

भविष्य के निर्माण हेतु छात्रों के समुचित विकास को शिक्षकों एवं समाज का पुनीत कर्तव्य बताया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ चिकित्सक डॉ.शोभा मिश्रा, समिति सचिव श्री राजीव मल्होत्रा तथा भामाशाह डॉ. विभा

दलाल एवं हिमांशु दलाल द्वारा भी प्रतिभागियों को संबोधित किया गया एवं सर्दी से उनकी बचाव के लिए गर्म स्वेटर, स्कूल बैग एवं स्टेशनरी आदि, वितरित की गई। तत्पश्चात सभी उपस्थित छात्र/छात्राओं, विद्यालय के स्टाफ तथा अतिथियों ने सहभोज में भाग लिया। समारोह को सफल बनाने में समिति समन्वयक श्री हेमराज प्रतिहार एवं श्री गणेश प्रतिहार का विशेष सहयोग रहा। अन्त में विद्यालय के प्राचार्य श्री मोहनलाल बैरवा द्वारा सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।  
— राजीव मल्होत्रा  
सचिव, जिला प्रौढ़ शिक्षण समिति, कोटा

## Congratulations for IAEA Staff Members



In a meeting held on December 18, 2021 at IAEA Headquarters the Office Bearers of IAEA including President Prof. L. Raja, General Secretary Shri Suresh Khandelwal, Shri K.C. Choudhary, Principle Advisor and Shri Rajendra Joshi, Member EC congratulated all the

members of staff on successful completion of the time bound study entitled "Survey on Skill Mapping in JJ Clusters in East Delhi" assigned to IAEA by the Directorate of Economics and Statistics, Government of National Capital Territory of Delhi. Speaking on

the occasion Prof. Raja appreciated the report in its totality. He also underlined the need of organized team effort for ensuring quality which is the demand of the day and wished that all the staff members will work hand in hand to maintain the same spirit.